एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2020-21

प्रश्नपत्र कूट संख्या- 5174 A

वर्ग-'अ'- साहित्य

चतुर्थ प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. काव्यप्रकाश (प्रथम से पंचम उल्लास तक, सप्तम उल्लास-रसदोष एवं अष्टम उल्लास)
2. वक्रोक्तिजीवित (प्रथम उन्मेष मात्र)
3. अलंकारशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई	-	काव्यप्रकाश **1**, **2**, **3** उल्लास
द्वितीय इकाई	-	काव्यप्रकाश **4**, **5** उल्लास
तृतीय इकाई	-	काव्यप्रकाश **7**, **8** उल्लास
चतुर्थ इकाई	-	वक्रोक्तिजीवित (कुन्तक) प्रथम उन्मेष मात्र
पंचम इकाई	-	अलंकारशास्त्र के साहित्य का सवेक्षण

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अन्तर्गत विकल्परहित कुल दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50 अंक**

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है -

(क) काव्यप्रकाश के प्रथम, द्‌वितीय तथा तृतीय उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ख) काव्यप्रकाश के चतुर्थ, पंचम उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) काव्यप्रकाश के सप्तम उल्लास निर्धारित अंश तथा अष्टम उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) वक्रोक्तिजीवित के प्रथम उन्मेष से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) काव्यशास्त्र के किसी एक ग्रन्थ अथवा आचार्य का सामान्य परिचय विकल्प सहित पूछा जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15-15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15 अंक**

(1) काव्यप्रकाश में विवेचित विषयवस्तु-काव्यप्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य लक्षण, लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनिभेद, गुणीभूतव्यंग्य, रस, गुण आदि। काव्यप्रकाश की सामान्य समालोचना, मम्मट का योगदान, काव्यप्रकाश का महत्त्व।

उक्त खंड के द्‌वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे - **15 अंक**

(2) वक्रोक्तिजीवित का महत्त्व, वक्रोक्तिजीवितकार का योगदान, परिचय, वक्रोक्तिजीवित की विषयवस्तु, काव्यशास्त्र के विभिन्न समुदाय के प्रमुख आचार्यों अथवा ग्रन्थों का मूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें -

1. काव्यप्रकाश (बालबोधिनी टीका) - वामनाचार्य झलकीकर

2. ध्वन्यालोक (लोचन एवं बालप्रिया टीका सहित) सम्पा. पं. पट्टाभिराम शास्त्री

3. ध्वन्यालोक: हिन्दी व्याख्या - आचार्य विश्वेश्वर

4. आनन्दवर्धन - डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी
5. भारतीय साहित्यशास्त्र - जी.टी.देशपाण्डे
6. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग-1, 2 पं. बलदेव उपाध्याय